

12 $\frac{7}{23}$

व्यक्त-व्यक्त स्वभाव विवादी जमी, अतीवार्थ व उन्ने वकी
उद्योग नहीं। मीतल अतीवार्थ स्वतः हामी व स्वतः पंथ
मे स्वतः के वकी के पत्रवली केतल युक्त हामी
नस्व के वकी के जो हं वकी वकी लक्ष्मी वकी
काल है, अतः सुक्त जय !

नरेश्वर प्रसाद प्राधिकारी
नरेश्वर (राज.)

मिस्त्रि... मिस्त्रि... मिस्त्रि...
मिस्त्रि... मिस्त्रि... मिस्त्रि...
मिस्त्रि... मिस्त्रि... मिस्त्रि...